

VISITORS BOOK

DATE	NAME, ADDRESS & EMAIL	CONTACT NOS.	REMARK
27-1-18	<u>उदय भवालकर</u>		
			मुझे रत्नागिरि आकर बहुत पुस्तकें दी हैं।
			प्रिय नंदकुमार जी का स्नेह व आतिथ्य हमेशा ही आनंददायक रहा है।
			मैं उनके दल इतुल्य कार्य के लिये हार्दिक शुभकामनाओं देता हूँ व आजाद व्यक्त करता हूँ।
			<u>उदय भवालकर</u>